कन्हियाँ तुमको न सताऊगी

बात मानुगी ना कान्हा तोरी डांट ते बाबू और मैया मोरी,
होगी बदनामी सब की जुबानी रोज ऐसे न मुझको भुलाओ,
ओ राधा ऐसे न सताओ की मिलने रोज यमुना तट पे आओ,

बात मान जाओ राधा तेरे बिना हु मैं आधा,
तेरे बिन मैं जी न पाउगा तेरे बिन मैं जी न पाउगा,
तेरा क्या भरोसा जा रे झूठा बात न ऐसे बनाऊ,
ओ राधा ऐसे न सताओ की मिलने रोज यमुना तट पे आओ,

तू छलियाँ कान्हा है तेरे हाथ न आना है,
तेरा प्यार नहीं बस खेल है ये,
कहो तो जान देदू ओ मोरी राधा इल्जाम न ऐसे लगाओ,
कन्हियाँ तुम को न सताओ गी पनघट पर रोज मिलने आउंगी ,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12031/title/kanhiya-tum-ko-na-sataaugi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |